

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 378]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 20, 1986/श्रावण 29, 1908

No. 378]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 20, 1986/SRAVANA 29, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Pageing is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

धनसूचना

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1986

सा. का. नि. 1013 (2) :— लोक भविष्य निधि अधिनियम, 1968 (1968 का 23) की धारा 3 की उप-धारा (4) द्वारा प्रवृत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा लोक भविष्य निधि योजना, 1968 को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित योजना बनायी है, अर्थात्:—

1. (1) इस योजना को लोक भविष्य निधि (दूसरा संशोधन) योजना, 1986 कहा जाए।
- (2) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से लागू होगी।
2. लोक भविष्य निधि योजना, 1968 (जिसके अन्तर्गत उक्त योजना कहा गया है) के पैरा 9 में,
 - (i) उप पैरा (2क) का निरस्त किया जाएगा,
 - (ii) उप पैरा (3) में निम्नलिखित परन्तुक अन्तर्विष्ट किया जाएगा अर्थात्:—

“परन्तु यदि कोई अभिवादा चाहे तो वह अपने खाते में जमा राशि में से, समय-समय पर, किस्तों में निकासी कर सकता है, जो किसी एक वर्ष में एक से अधिक नहीं होगी।”

667 GI/86

(iii) उप-पैरा (3) के परन्तु निम्नलिखित उप पैरा अन्तर्विष्ट किया जाएगा, अर्थात्:—

“उप-पैरा (3) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए कोई अभिवादा उस वर्ष की समाप्ति से, जिस वर्ष प्रारम्भिक अभिवान किया गया था, 15 वर्ष तक की अवधि के समाप्त होने पर, लेकिन उसके परन्तु एक वर्ष के समाप्त होने से पहले प्रथम (फार्म) एच में, भ्रष्टा उसकी यथासम्भव निकटतम रूप में, सेवा कार्यालय को अपने इस विकल्प की सूचना दे सकता है कि वह पैरा 3 में विनिर्दिष्ट अभिवान की सीमाओं के अनुसार 5 वर्षों की एक और ब्लाक (खंड) अवधि के लिए अभिवान करता जारी रखेगा।

(3)(ख) अभिवादा द्वारा उपर्युक्त ब्लाक (खंड) अवधि के लिए अभिवान करने के विकल्प का प्रयोग किए जाने की स्थिति में, वह फार्म “ब” में सेवा कार्यालय को आवेदन करके प्रति वर्ष एक ही बार उस स्थिति में आर्थिक रूप से निकासी करने के लिए पात्र होगा बशर्ते कि 5 वर्ष की खंड अवधि के दौरान, की गई कुल निकासी उस अवधि के प्रारम्भ होने के समय उसके खाते में जमा राशि के 60 प्रतिशत से अधिक न हो।

टिप्पणी:— अभिवादा उस वर्ष के अन्त से, जब प्रारम्भिक अभिवान किया गया था, 20 वर्ष की अवधि के समाप्त होने पर भ्रष्टा 25 वर्ष की अवधि के समाप्त होने पर और इसी प्रकार इससे आगे की अवधि के बाद 5 वर्ष की और खण्ड अवधि के लिए इस सुविधा का लाभ उठा सकता है (परन्तु इस विकल्प का उपयोग प्रत्येक विस्तारित खण्ड अवधि के प्रथम वर्ष की समाप्ति से पहले किया जाना चाहिए)।”

3. फार्म "ग" में

(i) पैरा 1 के पश्चात् निम्नलिखित पैरा प्रस्तावित किया जाएगा—
प्रस्तावित—

"1क मैंने पाछू वर्ष में कोई निकासी नहीं की है।"

(ii) फार्म के प्रस्त में इस अभिव्यक्ति के लिए कि "जब अवयस्क के खाते से निकासी की जाए, तभी यह दिया जाए" निम्नलिखित अभिव्यक्ति को प्रतिस्थापित किया जाए—

"जो लागू न हो उसे काट दिया जाए"

4. फार्म "ग" में "मैं अपने उपर्युक्त खाते में और घाने अंशदान नहीं करना चाहता हूँ" अभिव्यक्ति और पाद-टिप्पणी "जो लागू न हो उसे काट दिया जाए" का निरसन किया जाए।

[एफ 3 (6) - पी. डी/86]

जी. बालसुब्रह्मण्यन, अपर बजट अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th August, 1986

S.R. 1013(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 3 of the Public Provident Fund Act, 1968 (23 of 1968), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Public Provident Fund Scheme, 1968, namely:—

1. (1) This Scheme may be called the Public Provident Fund (Second Amendment) Scheme, 1986.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Public Provident Fund Scheme, 1968 (hereinafter referred to as the said Scheme) in paragraph 9,

(i) sub-paragraph (2A) shall be deleted,

ii) in sub-paragraph (3), the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that a subscriber may if he so desires make withdrawal of the amount standing to his credit, from time to time, in instalments not exceeding one in a year."

(iii) the following sub-paragraphs shall be inserted after sub-paragraph (4), namely:—

"(3A) Subject to the provisions of sub-paragraph (3) a subscriber may, on the expiry of 15 years from the end of the year in which initial subscription was made but before the expiry of one year thereafter, may exercise an option with the accounts office in Form H, or as near thereto as possible, that he would continue to subscribe for a further block period of 5 years according to the limits of subscription specified in paragraph 3.

(3B) In the event of a subscriber opting to subscribe for the aforesaid block period he shall be eligible to make partial withdrawals not exceeding one every year by applying to the accounts office in Form C, or as near thereto as possible, subject to the condition that the total of the withdrawals, during the 5 year block period, shall not exceed 60 per cent of the balance at his credit at the commencement of the said period.

Note:—A subscriber may at his option (to be exercised before the expiry of the first year of every extended block period) avail of this facility for a further block of 5 years on expiry of 20 years or on expiry of 25 years and so on, from the end of the year in which the initial subscription was made."

3. In Form C,

(i) after paragraph 1, the following paragraph shall be inserted, namely:—

"1A. I have not made any withdrawal in the current year."

(ii) for the expression "To be given only when withdrawal is sought from minor's account" occurring at the end of the Form, the following expression shall be substituted, namely:—

"Score out whichever is not applicable."

4. In Form H, the expression "I do not wish to make any further subscription to my above account." and the footnote "*Delete whichever is not applicable" shall be omitted.

[F.3(6)-PD/86]

V. BALASUBRAMANIAN, Addl. Budget Officer